Roll No. .....
Signature of Invigilator ……

Paper Code
PGDVD-103

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2018

P.G. Diploma in Vaidik Darshan, (Semester: First)

संस्कृत

संस्कृत–साहित्य

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–अ
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. "कर्मण्येवाधिकारस्ते .....।" श्लोक की विशद व्याख्या करें तथा गीता की मुख्य प्रेरणा अपने शब्दों में लिखें।
2. 'विद्यां अविद्यां च.....' – मन्त्र की व्याख्या करते हुए विद्या तथा अविद्या की महिमा समझाइये।
3. 'श्रोत्रस्य श्रोत्रं मनसो .....।' के अभिप्राय को स्पष्ट करते हुए परमात्मा के प्रति अपने भावों को लिखिए।
4. 'श्रेयश्च प्रेयश्च.....।' की व्यावहारिक व्याख्या करें।
5. अविनाशी आत्मा का क्या स्वरूप है? किन्हीं दो श्लोकों के माध्यम से समझाइये जैसा कि योगेश्वर श्रीकृष्ण ने अर्जुन को समझाया है।

खण्ड–ब
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. 'न वित्तेन तर्पणीयो .....' ***अथवा*** 'उत्तिष्ठत जाग्रत .....' की सारगर्भित व्याख्या करें।
2. 'प्रसादे सर्व दुःखानां .....।' श्लोक की सुखमय आनन्दमय जीवन को चाहने वाले मनुष्यों के व्यवहार में क्या उपयोगिता है ? समझाइए।
3. "हिरण्मयेन पात्रेण ....." मंत्र की संक्षिप्त व्याख्या करें।
4. "इह चेदवेदीदथ सत्यमस्ति, न चेदिहावेदीन्महतिविनष्टिः" के भाव से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।
5. "उपनिषद्" शब्द से क्या अभिप्राय है? लिखें।
6. गीता के द्वितीय अध्याय का कोई भी एक श्लोक लिखें तथा उसकी व्याख्या भी करें, जो आपको सबसे अधिक प्रेरणा देता है। (ऊपर पूछे गये श्लोकों को छोड़कर)।

खण्ड–स
(अतिलघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में दस (10) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा अंक निर्धारित हैं। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक या दो पंक्तियों में लिखिए। **(10×0.5=05)**

1. देह तथा देही में क्या अन्तर है? केवल इनका अर्थ लिखें।
2. ईश शब्द का क्या अर्थ है?
3. ईशोपनिषद् किस वेद का भाग है?
4. प्रग्रहम् का क्या तात्पर्य है?
5. "प्रेत्य" शब्द का अर्थ लिखें।
6. "कश्मलम्" शब्द का अर्थ लिखें।
7. स्थितप्रज्ञ पुरूष किसे कहते ह?
8. "भस्मान्तँ शरीरम्" से क्या समझते हैं?
9. "कविः" शब्द के क्या-क्या अर्थ हैं? लिखें।
10. "अमृताः भवन्ति" का क्या आशय है?

----------x----------